

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	ज्येष्ठ 27, शुक्रवार, शाके 1944-जून 17, 2022 <i>Jyaistha 27, Friday, Saka 1944- June 17, 2022</i>	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग

विज्ञप्ति

जयपुर, मई 23, 2022

संख्या 2(1) वन/2022:-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वामित्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा किसी अंश की स्वामित्वधारी (Entitled) है ।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध ही किये गये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार या व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है । परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचाने की आशंका है ।

इसलिए अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट ओफिसर को पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा वैयक्तियों के अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती हैं। तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साक्ष्य उसी प्रणाली में किया जावेगा। जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11 (1), 12, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रवाहित है।

और एक्ट की धारा 29 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा (proviso) प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेख सम्पादित होने तक उक्त वन भूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन घोषित करती है। परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी। और न उस पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के ये वृक्ष संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं। राज-पत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख में आरक्षित है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित

किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण अथवा पशुपालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए खण्डित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती हैं।

संलग्न:- प्रथम अनुसूची (वनभूमि और बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,
बी प्रवीण,
शासन सचिव,
वन विभाग,
राजस्थान सरकार, जयपुर।

प्रथम अनुसूची								
क्र. सं.	नाम ग्राम	नाम ब्लाक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	विवरण		
1.	गुलखेड़ी	रक्षित वनखण्ड गुलखेड़ी A	खानपुर	झालावाड़	पूर्व :- राजस्व भूमि पश्चिम :- राजस्व भूमि उत्तर :- राजस्व भूमि दक्षिण :- राजस्व भूमि	खसरा नं.	क्षेत्रफल बीघा (में)	क्षेत्रफल हे० (में)
						11	43 बीघा 16 बीस्वा	7.0901
						25	97 बीघा 14 बीस्वा	15.8151
						योग	141 बीघा 10 बीस्वा	22.9052
2.	गुलखेड़ी	रक्षित वनखण्ड गुलखेड़ी B	खानपुर	झालावाड़	पूर्व :- राजस्व भूमि पश्चिम :- राजस्व भूमि उत्तर :- राजस्व भूमि दक्षिण :- राजस्व भूमि	125	29 बीघा 10 बीस्वा	4.7753
3.	गुलखेड़ी	रक्षित वनखण्ड गुलखेड़ी C	खानपुर	झालावाड़	पूर्व :- राजस्व भूमि पश्चिम :- राजस्व भूमि उत्तर :- राजस्व भूमि दक्षिण :- सीमा ग्राम कोलुखेड़ी	164	25 बीघा 15 बीस्वा	4.1683
						महायोग	196 बीघा 15 बीस्वा	31.8488

हस्ताक्षर
राजेन्द्र कुमार मीणा
क्षेत्रीय वन अधिकारी
खानपुर

हस्ताक्षर
संग्राम सिंह कटियार
उप वन संरक्षक
झालावाड़ (राज.)

द्वितीय अनुसूची रक्षित वनखंड गुलखेड़ी ABC

पेड़ों की सूची

क्रम संख्या	वनस्पतिक नाम	हिंदी का नाम
1	Acacia nilotica	देशी बबूल
2	Prosopis juliflora	विलायती बबूल
3	Ziziphus muaritiana	झाड़ी बेर
4	Balanities aegyptiaca	हिंगोट
5	Acacia leucophloea	रोझ

हस्ताक्षर

राजेन्द्र कुमार मीणा
क्षेत्रीय वन अधिकारी
खानपुर

हस्ताक्षर

संग्राम सिंह कटियार
उप वन संरक्षक
झालावाड़ (राज.)

कार्यालय उप वन संरक्षक, झालावाड़

प्रमाण- पत्र

जिला :- झालावाड़

तहसील :- खानपुर

रेंज :- खानपुर

रक्षित वनखण्ड :- गुलखेड़ी ABC

रेंज :- सिंगोला

1. संलग्न प्रारूप में दर्शाई गई भूमि का प्रत्यावर्तन प्रकरण परवन मध्यम सिंचाई परियोजना के विरुद्ध प्राप्त गैर वन भूमि है जिसका वन विभाग के नाम अमल दरामद की जा चकी है। भूमि की किस्म गे. मु0 जंगलात है।
2. वर्तमान राजस्व लेखों में महकमा जंगलात दर्ज है। मौके पर विभाग द्वारा वृक्षारोपण विकास कार्यों के कराये जाने की संभावना है। इस क्षेत्र में वर्तमान में अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहे हैं। इस क्षेत्र का राजस्व जमाबन्दी में महकमा जंगलात कर दिया है।
3. भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0.0 से 0.2 है।
4. वनखण्ड का मानचित्र नक्षा संलग्न हैं जिसमें खसरा नं. व रकबा दर्ज है। एवं जी. टी. शीट की छायाप्रति संगलन है।
5. प्रतावित वनों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कारण रहे हैं। किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक हैं। जिससे जिले की भूमि पर विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके ।
6. इस भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है ।
7. वनखण्ड के मध्य में से खसरा नं. 11 गे0 मु0 रास्ता गुजर रहा है । यह खसरा वन भूमि के नं नहीं हुआ है । वर्तमान में यह खसरा खाता सरकार के नाम दर्ज है ।

हस्ताक्षर

राजेन्द्र कुमार मीणा
क्षेत्रीय वन अधिकारी
खानपुर

हस्ताक्षर

संग्राम सिंह कटियार
उप वन संरक्षक
झालावाड़ (राज.)

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।